अध्याय I
संगठन का विवरण, कार्य एवं दायित्व

संगठन का विवरण

सामान्य परिचय

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन), एक सरकारी कंपनी है, जिसका निगमन रेलवे विशेषज्ञता की सहायता से वाणिज्यिक विवेक की तर्ज पर भारत में तथा विदेश में रेल परियोजनाओं के निर्माण कार्य के मुख्य प्रयोजन से "भारतीय रेलवे निर्माण कंपनी लिमिटेड" के नाम के अंतर्गत 28 अप्रैल, 1976 में किया गया था। अंतरराष्ट्रीय छवि तथा कंपनी के प्रचालन के कार्यक्षेत्र की तर्ज पर दिनांक 17 अक्तूबर, 1995 को कंपनी का नाम बदल कर "इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड" कर दिया गया।

कंपनी का पंजीकरण मूल रूप से रेल मंत्रालय के माध्यम से सरकार द्वारा पूर्ण अंशदान के साथ 10 करोड़ रूपए की प्राधिकृत शेयर पूंजी और 10.02 लाख रूपए की इक्विटी प्रदत्त शेयर पूंजी के साथ प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के रूप में किया गया था। सरकार द्वारा इस प्रदत्त शेयर पूंजी को वर्ष 1976 से 1985 के बीच 6 भागों में 10.02 लाख रूपए से बढ़ाकर 4.949 करोड़ रूपए किए गया था। सरकार द्वारा इस प्रदत्त शेयर पूंजी के 0.27 प्रतिशत का विनिवेश यूटीआई (अब आईआरएफसी) तथा बैंक ऑफ इंडियन म्यूचुवल फंड (अब बैंक ऑफ इंडिया) के पक्ष में किया गया था। इसके परिणामस्वरूप, कम्पनी को पब्लिक लिमिटेड कम्पनी में परिवर्तित किया गया और वर्ष 1992 में इसके शेयर दिल्ली और मुम्बई स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध किए गए थे। तथापि, इरकॉन कंपनी अधिनियम 1956 के खंड 617 के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार की कम्पनी बनी रही, जिसमें 99.715% शेयर पूंजी का स्वामित्व रेल मंत्रालल के माध्यम से सरकार का है।
इरकॉन की आरंभिक प्राधिकृत शेयर पूंजी 10 करोड़ रूपए थी और यह वर्तमान में 400 करोड़ रूपए है तथा इसकी अंशदायी और प्रदत्त शेयर पूंजी 94.051 करोड़ रूपए हे।

इरकॉन - (क) 15 मई, 2006 से एक अनुसूची "क' कंपनी है; (ख) वर्ष 1998 से एक मिनी रत्न श्रेणी-I कंपनी है; (ग) वर्ष 1991-92 से समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरकर्ता कंपनी है, (घ) वर्ष 1996 से गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के लिए एक आईएसओ प्रमाणित कंपनी है; वर्ष 2011 से पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (वर्ष 2012-13 के दौरान प्रमाणित), तथा (ड.) वर्ष 1977-78 से लाभ अर्जित करने वाली कंपनी है, जो 1980-81 से नियमित रूप से लाभांश का भुगतान कर रही है, और वर्ष 1981-82 से किसी भी वर्ष चूक किए बिना नियमित रूप विदेशी विनियम अर्जन करने वाली कंपनी है।

प्रचालनिक विशेषता

कंपनी ने 1977-78 में अपना प्रचालन आरंभ किया और इराक और तत्पश्चात अल्जीरिया में प्रमुख उपलब्धि के साथ व्यापक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश किया। अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करते हुए परियोजनाओं के समय पर निष्पादन के परिणामस्वरूप इरकॉन को भारत में अग्रणी निर्माण कंपनियों में से एक के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। विशिष्ट रूप से रेलवे क्षेत्र में अपना प्रचालन आरंभ करने के पश्चात कंपनी ने वर्ष 1985 में निर्माण के अन्य क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों में विविधता प्राप्त की है। बीओटी, बीओओटी, बीएलटी आदि, पट्टा, रियल एस्टेट आदि संबंधी व्यवसाय को शामिल करने के लिए वर्ष 1993 में कंपनी के कार्यक्षेत्र को और संवर्धित किया गया।

इरकॉन की प्रमुख सक्षमता रेलवे, राजमार्ग तथा ईएचटी उप-स्टेशन इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र में है। कंपनी ने गिट्टीरहित रेलपथ, विद्युतीकरण, सुरंग निर्माण, सिग्नल और दूरसंचार सहित रेल निर्माण के क्षेत्रों में तथा इंजनों को पट्टे पर देने, सड़क, राजमार्ग निर्माण, वाणिज्यिक, औद्योगिक तथा आवासीय भवनों तथा परिसरों, हवाईअड्डा रनवे तथा हैंगरों, मेट्रो तथा मास रेपिड ट्रांजिट सिस्टम आदि क्षेत्रों में प्रचालित परियोजनाओं का निष्पादन किया है।

वर्तमान में इरकॉन म्यांमार, नेपाल, बांग्लादेश, अल्जीरिया तथा दक्षिण अफ्रीका में परियोजनाएं निष्पादित कर रही है। कंपनी भारत में कुछ प्रतिष्ठित परियोजनाओं का निष्पादन कर रही है, जिसमें शामिल हैं - छत्तीसगढ राज्य में गेवरा रोड से पेंड्रा रोड के बीच पूर्व-पश्चिम गलियारे के गलियारा-III का निर्माण, छत्तीसगढ राज्य में व्यवहार्यता अध्ययन; आरडीयूएम-टीएएल-आरजेओ (रामपुरधुमना ताल राजेन्द्रपाल) परियोजना में दोहरीकरण परियोजनाएं, कूयल गया, हाजीपुर-बछवारा, कतनी-सिंगरौली परियोजना: झारखंड, ओडीशा और छत्तीसगढ राज्यों में रेल कोयला सम्पर्कता परियोजना (परियोजनाओं) का निष्पादन, नगरनार, छत्तीसगढ में प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए निजी रेल साइडिंग के निर्माण से संबंधित सिविल और रेल सहायक कार्यों का निष्पादन; अखौरा-अगरतला रेल संपर्क परियोजना; वैतरणी-सचिन खंड के समर्पित मालभाड़ा गलियारा परियोजना के लिए सिविल

भवन एवं रेलपथ निर्माण कार्य हेतु अभिकल्प और निर्माण; राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), मिजोरम में बाहरी विकास कार्यों तथा आंतरिक सेवाओं से संबंधित अभिकल्प, आरेखण और निर्माण का अतिरिक्त कार्य; कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के देवंगेरे-हवेरी खंड को छह लेन का बनाना; और पूर्व मध्य रेलवे के लिए बिहार राज्य में सड़क उपरिपुलों के निर्माण का अतिरिक्त कार्य (नए सड़क उपरिपुल - 12)।

पूरी की गई विदेशी परियोजनाएं

वर्ष के दौरान, कंपनी ने बांग्लादेश में बांग्लादेश रेलवे के लिए दो परियोजनाओं को पूरा किया है यथा (क) आपकी कंपनी और एफकॉन्स के बीच संयुक्त उद्यम यथा इरकॉन-एफकॉन्स जेवी के बीच निगमन संयुक्त उद्यम के माध्यम से निष्पादित की जा रही दूसरे भैरब रेल पुल व पहुंच रेल लाइनों (लॉट-क) के निर्माण की परियोजना तथा (ख) बांग्लादेश के इशुरदी-दरसन खंड के बीच 11 स्टेशनों पर टर्नकी आधार पर कम्प्यूटर आधारित इंटरलॉकिंग कलर लाइट सिग्नलिंग सिस्टम के अभिकल्प, आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण और प्रचालन आरंभ कार्य।

तीन प्रमुख चालू विदेशी परियोजनाओं का निष्पादन किया जा रहा है। ये परियोजनाएं हैं: - (क) बांग्लादेश - बांग्लादेश रेलवे के लिए खुलना - मोंगला पोत रेल लाइन की निर्माण परियोजना के अंतर्गत पैकेज डब्ल्यूडी-1 के प्रति इम्बार्कमेंट, रेलपथ का निर्माण, सभी सिविल कार्य, पुल का कार्य और ईएमपी का कार्यान्वयन; मार्च 2018 तक कार्य की भौतिक प्रगति 14% थी। (ख) अल्जीरिया - एएनईएसआरआईएफ, परिवहन मंत्रालय, अल्जीरिया सरकार द्वारा प्रदान किए गए अल्जीरिया में दोहरे रेलपथ (93 कि.मी.) का संस्थापन, (ग) दक्षिण अफ्रीका: एस्कॉम होल्डिंग्स एसओसी लिमिटेड के लिए मजूबा रेल परियोजना, दक्षिण अफ्रीका हेतु संयंत्र अभिकल्प की खरीद, ओवरहेड रेलपथ उपकरणों का संस्थापन, घर्षण उप- स्टेशनों, सहायक बिजली आपूर्ति उप-स्टेशन, थोक बिजली आपूर्ति स्विचिंग स्टेशनों और सिग्नलिंग प्रणालियों की आपूर्ति और स्थापना।

पूरी की गई घरेलू परियोजनाएं

कंपनी ने भारत में भी तीन परियोजनाएं पूरी की हैं यथा (क) सड़क निर्माण विभाग, बिहार सरकार के लिए बिहार के गया जिले में मणपुर बायपास के 1 किलोमीटर पर अपने स्वयं की निधियों के माध्यम से बिहार में एक राज्य स्वामित्व वाला सड़क उपरिपुल (राष्ट्रीय राजमार्गों से इतर) का निर्माण (ख) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मिजोरम के लिए भौगोलिक और भू-तकनीकी सर्वेक्षण कराना; मास्टर प्लान तैयार करना, नियोजन, अभिकल्पन तथा चारदीवारी का निर्माण और सहायक अनुषंगी कार्य; (ग) पूर्वी रेलवे के लिए सियालदा मंडल में घोसलापुर (बेहाला) में नए इंडोर स्पोर्ट्स परिसर का निर्माण ।

भारत में प्राप्त और निष्पादित प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं:

- पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी ग्रेड विभाजक/बायपास लाइन (21.50 किमी) परियोजना;
- पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी-सिंगरौली हेतु रेलवे विद्युतीकरण कार्य ;
- पूर्वोत्तर रेल के लिए सिग्नलिंग सहित मथुरा- कासगंज -कल्याणपुर रेलवे विद्युतीकरण परियोजना ;
- विशाखापत्तनम (डीजल लोको शेड) - पूर्व तटीय रेलवे के लिए 100 एचएचपी इंजनों हेतु शेड का संवर्धन;

- छत्तीसगढ़ पूर्व पश्चिम रेलवे लिमिटेड (सीईवीआरएल) के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में गेवरा रोड से पेन्द्रा रोड के बीच पूर्व-पश्चिम गलियारे के बीच लगभग 135 किमी गलियारे- III का निर्माण एवं गेवरा रोड से पेन्ड्रा रोड के बीच पूर्व-पश्चिम गलियारे का व्यवहार्यता अध्ययन ;
- छत्तीसगढ़ पूर्वी रेलवे लिमिटेड (सीईआरएल) के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में खरसिया से धरमजयगढ़ के बीच पूर्वी गलियारे के गलियारे-1 और स्पर लाइन का निर्माण;
- महानदी कोल रेलवे लिमिटेड (एमसीआरएल) के लिए चिह्नित विभिन्न रेल कोयला सम्पर्कता परियोजना (परियोजनाओं) हेतु सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन, विस्तृत डिजाइन तथा निर्माण कार्य ;
- एनएमडीसी के लिए नगरनार में 3.0 एमटीपीए एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए रेलवे ट्रैक (इन-प्लांट) पैकेज (पैकेज सं. 50) ;
- उत्तर रेलवे के लिए किमी 73.00 से किमी 91.00 तक धरम-काजीगुंड खंड सहित कटरा-काजीगुंड खंड में भावी कार्य।

इरकॉन ने बांद्रा पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र में 4.3 (चार दशमलव तीन) हेक्टेयर माप के भू-खंड पर वाणिज्यिक विकास के लिए इरकॉन को लीज होल्ड अधिकारों के स्थानांतरण के लिए भी 26 मार्च, 2018 को रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

आर्डर बुक

कंपनी ने वर्ष 2017-18 के दौरान 6,106 करोड़ रुपये के कार्य प्राप्त किए हैं। 31 मार्च, 2017 को 18,878 करोड़ रूपए (लगभग) के कार्यभार की तुलना में 31 मार्च, 2018 को 22,407 करोड़ रूपए (लगभग) का कार्यभार था।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और धारणीयता

कंपनी ने वर्ष 2017-18 के लिए आवंटित 8.58 करोड़ रूपए की तुलना में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों पर 8.73 करोड़ रूपए की राशि खर्च की है, जिनमें व्यापक स्तर पर स्वच्छ भारत, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, रोजगार, शिक्षा संवर्धन, तथा अवसंरचना विकास के क्षेत्र शामिल हैं।

सहायक कंपनियां और संयुक्त उपक्रम कंपनियां

वर्ष के दौरान कंपनी ने सहायक कंपनियों के रूप में निम्नलिखित विशेष प्रयोजन कंपनियों (एसपीवी) का सृजन किया है:

- राष्ट्रीय राजमार्ग 48 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-4) के विकास, अनुरक्षण और प्रबंधन व्यवसाय के निष्पादन हेतु दिनांक 11 मई, 2017 को "इरकॉन हवेरी राजमार्ग लिमिटेड (इरकॉन डीएचएचएल)" नामक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी का सृजन किया गया था।
- आठ लेन वाले एक्सप्रेस-वे के विकास, अनुरक्षण और प्रबंधन व्यवसाय के निष्पादन हेतु गुजरात राज्य में दिनांक 16 मई, 2018 को "इरकॉन वडोदरा किम एक्सप्रेस-वे लिमिटेड (इरकॉन वीकेईएल)" नामक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी का सृजन किया गया था।

इन संवर्धनों/विनिवेशों के साथ इरकॉन समूह में अब पांच सहायक कंपनियों (यथा इरकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेस लिमिटेड, इरकॉन पीबी टोलवे लिमिटेड, इरकॉन शिवपुरी गूना टोलवे लिमिटेड और इरकॉन देवांगेरे हवेरी राजमार्ग लिमिटेड) तथा इरकॉन वडोदरा किम एक्सप्रेस-वे तथा भारत में सात संयुक्त उद्यम कंपनियों (यथा इरकॉन-सोमा टोलवे प्राइवेट लिमिटेड, भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम लिमिटेड, छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड, छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेलवे लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड तथा झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड तथा बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड)।

वित्तीय विशिष्टताएं

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, इरकॉन ने 3896.39 करोड़ रुपये की कुल प्रचालनिक आय प्राप्त की है, जबकि पिछले वर्ष की प्रचालनिक आय 3024.23 करोड़ रुपये थी, जो 28.84% की वृद्धि को दर्शाता है।

वर्ष 2016-17 की तुलना में वर्ष 2017-18 के लिए कंपनी के वित्तीय निष्पादन के कुछ महत्वपूर्ण संकेतक नीचे दिए गए हैं:

(रु. करोड़ में)

क्र.सं	विवरण	2017-18	2016-17	वृद्धि/ (कमी) [% में]
1.	कुल आय/टर्नओवर	4123	3254	26.70
2.	कुल प्रचालनिक आय /टर्नओवर	3896	3024	28.84
3.	विदेशी परियोजनाओं से प्रचालनिक आय	601	327	83.83
4.	भारतीय परियोजनाओं से प्रचालनिक आय	3295	2668	23.52
5.	कर पूर्व लाभ	533	532	0.33
6.	कर पश्चात लाभ	391	369	5.97
7.	कुल मूल्य	3752	3828	(1.99)
8.	लाभांश	192.40	192.40*	--

* वर्ष 2017-18 के लिए 97.25 करोड़ रूपए के अंतिम लाभांश शामिल है, जिसका भुगतान इंड एस के अनुसार एजीएम द्वारा अनुमोदन के पश्चात वर्ष 2017-18 में किया गया था ।

शेयर पूंजी और सूचीकरण:

वर्ष 2017-18 के दौरान इरकॉन की प्राधिकृत शेयर पूंजी को 100 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, दिनांक 25 मई, 2016 को कंपनी ने डीआईपीएएम द्वारा जारी "सीपीएसई के पूंजीगत पुन:संरचना संबंधी दिशानिर्देशों" के अनुसार 234.57 करोड़ रूपए (जिसमें 43.98 करोड़ रुपये का कर शामिल है) का उपयोग करते हुए, भारत के राष्ट्रपति से प्रत्येक 10 रूपए के 49,28,426 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर वापस लिए हैं। तदनुसार, 26 दिसंबर, 2017 से कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी 98.98 करोड़ रूपए से घटकर 94.05 करोड़ रूपए हो गई है।

भारत सरकार, द्वारा वर्ष 2017-18 के बजट में इरकॉन के शेयरों के सूचीकरण की घोषणा के पश्चात, राष्ट्रपति द्वारा पूर्व प्रदत्त शेयर पूंजी के लगभग 10.53% भाग के विनिवेश की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इशयु/ऑफर के खुलने की तिथि 17 सितंबर, 2018 और बंद होने की तिथि 19 सितंबर, 2018 है। इरकॉन दिनांक 28 सितंबर, 2018 को सूचीबद्ध (लिस्टिड) हो गया है।

पुरस्कार

वर्ष 2017-18 के दौरान कंपनी को निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं:

1. "कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (रेलवे)" की श्रेणी में डन एंड ब्रैडस्ट्रीट इंफ्रा अवॉर्ड्स 2017. यह पुरस्कार दिनांक 02.11.2017 को श्री नितिन गढकरी, माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग, जहाजरानी तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्री द्वारा प्रदान किया गया है।
2. वित्तीय श्रेणी (निरंतर वृद्धि) में गवर्नेंस नाव 5वां पीएसयू पुरस्कार, 2017. यह पुरस्कार दिनांक 27.02.2018 को सुश्री कृष्ण राज, माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री द्वारा प्रदान किया गया है।
3. दैनिक भास्कर भारत गौरव पुरस्कार "केंद्रीय पीएसयू: मिनीरत्न -श्रेणी-I" में वर्ष 2017-18 का पुरस्कार। यह पुरस्कार दिनांक 28.03.2018 को मध्य प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री शिवराज चौहान तथा माननीय केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा प्रदान किया गया।
4. विभिन्न सीआईडीसी पहलों के अंतर्गत "मिशन कौशल भारत" के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निर्माण विकास परिषद् (सीआईडीसी) से सीआईडीसी पार्टनर्स इन प्रोग्रेस ट्रॉफी 2018. यह पुरस्कार दिनांक 07.03.2018 को प्रदान किया गया।

कार्य एवं दायित्व

विजन - यह सूचना लिंक : http://www.ircon.org - क्लिक मिनू - कंपनी - विजन से प्राप्त की जा सकती है।

मिशन - यह सूचना लिंक : http://www.ircon.org - क्लिक मिनू - कंपनी - विजन से प्राप्त की जा सकती है।

प्रमुख मूल्य- यह सूचना लिंक : http://www.ircon.org - क्लिक मिनू - सहायक कंपनियां और संयुक्त उपक्रमों से प्राप्त की जा सकती है।

सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रम

यह सूचना लिंक : http://www.ircon.org - क्लिक मिनू - सहायक कंपनियां और संयुक्त उपक्रमों से प्राप्त की जा सकती है।

इरकॉन निगमित कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों और परियोजना कार्यालयों के पते

यह सूचना लिंक : http://www.ircon.org - क्लिक मिनू - कार्यालय नेटवर्क से प्राप्त की जा सकती है।

****